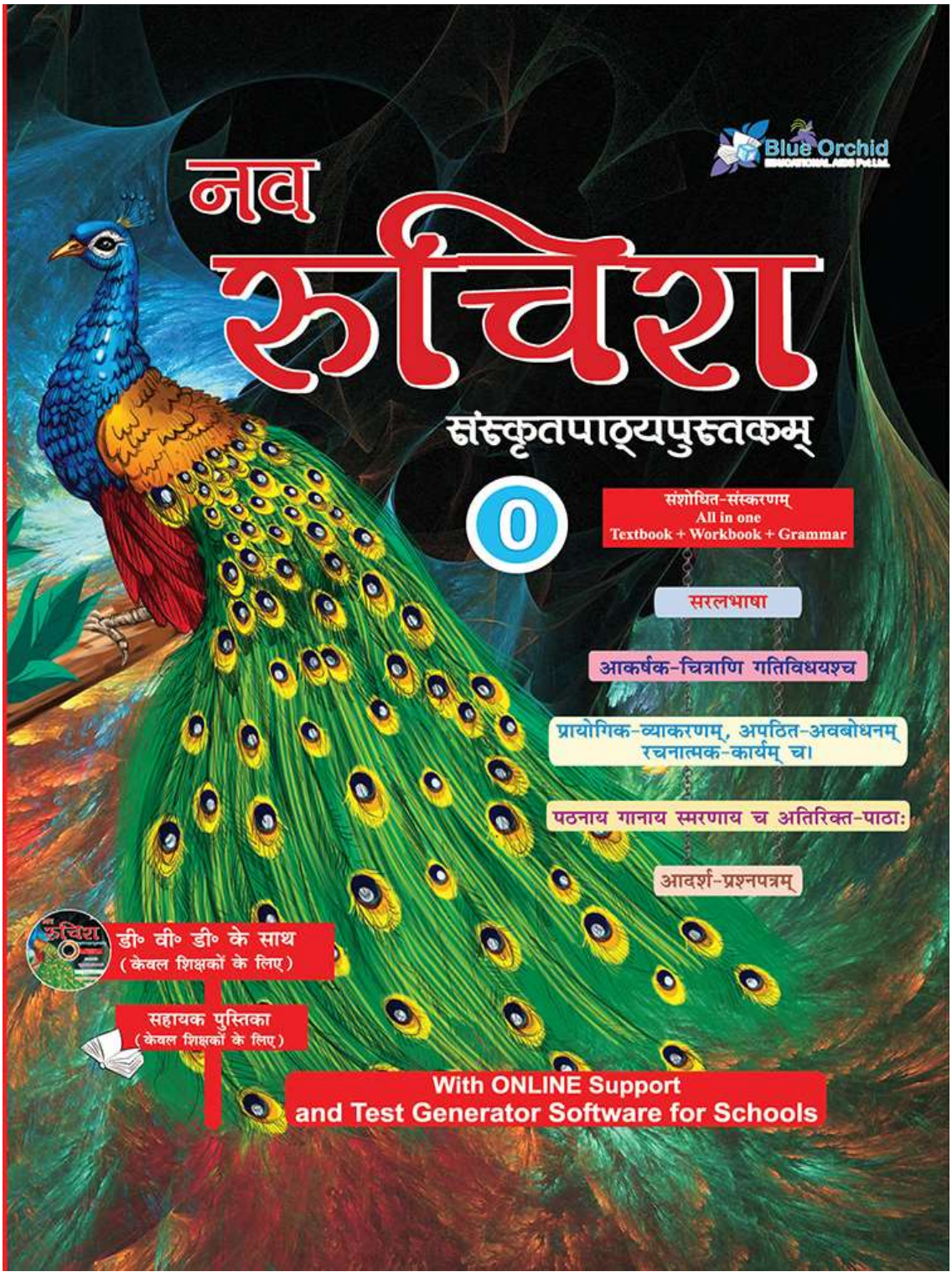
Blue Orchid
EDUCATIONAL AIDS Pvt. Ltd.
नव रुचिरा
संस्कृतपाठ्यपुस्तकम्
0
संशोधित-संस्करणम्
All in one
Textbook + Workbook + Grammar
सरलभाषा
आकर्षक-चित्राणि गतिविधयश्च
प्रायोगिक-व्याकरणम्, अपठित-अवबोधनम्
रचनात्मक-कार्यम् च।
पठनाय गानाय स्मरणाय च अतिरिक्त-पाठाः
आदर्श-प्रश्नपत्रम्
डी॰ वी॰ डी॰ के साथ
(केवल शिक्षकों के लिए)
सहायक पुस्तिका
(केवल शिक्षकों के लिए)
With ONLINE Support
and Test Generator Software for Schools

पुणना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

# Class -V

# Sanskrit

# NavRuchira-part-0

# Exercise Corner

# Specimen Copy

# Year- 2022-23

# अनुक्रमणिका

| Pa- 1 chapter ( 1 to 3 ) | Sa -1 chapter – ( 1 to 6 ) |
|---|---|


| NO | TITLE | PAGE-NO |
|---|---|---|
| प्रथमःपाठः | संस्कृत-वर्णमाला | 4 |
| द्वितीयःपाठः | संयुक्त-व्यञ्जनानि | 7 |
| | चतुरश्शृगालः ( पठनाय ) | 10 |
| तृतीयःपाठः | 'अकारान्त 'पुल्लिंग-शब्दाः | 11 |
| चतुर्थःपाठः | 'आकारान्त 'स्त्रीलिंग-शब्दाः | 15 |
| पञ्चमःपाठः | 'अकारान्त'नपुंसकलिंग शब्दाः | 18 |
| षष्ठःपाठः | धातु-प्रयोगः | 21 |

# प्रथमःपाठः

# संस्कृत-वर्णमाला

## पाठ का परिचय

### स्वरवर्णाः

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

- अनुस्वार- अं
- विसर्ग - अः

### व्यञ्जनानि

- क वर्गः - क् ख् ग् घ् ङ्
- च वर्गः - च् छ् ज् झ् ञ्
- ट वर्गः - ट् ठ् ड् ढ् ण्
- त वर्गः - त् थ् द् ध् न्
- प वर्गः - प् फ् ब् भ् म्
- अन्तःस्थाः - य् र् ल् व्
- उष्माण - श् ष् स् ह्

### संयुक्त-व्यञ्जनवर्णाः

- क्ष- क् + ष्
- त्र- त् + र्
- ज्ञ- ज् + ञ्
- श्र- श् + र्
- द्य- द् + य्
- स्त्र-स् + र्

**वर्ण**-वर्ण भाषा कीसबसे छोटी इकाई है। वर्णको ही अक्षर कहाँजाताहै। जैसे- अ, इ, क्, च्, फ्

**वर्णमाला**–वर्णो के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

## वर्ण

**स्वरवर्ण** **व्यञ्जनवर्ण**

1– **स्वरवर्ण**– स्वरवर्ण वे वर्ण हैं जिनके उच्चारण में किसी दुसरे वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है। स्वरवर्ण 13 हैं।

**जैसे**–अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ॠ ऌ ए ऐ ओ औ

**2–व्यञ्जनवर्ण** –व्यञ्जनवर्णो का उच्चारण स्वरवर्णो की सहायता से होता है।व्यञ्जन 33 होत है।

- क वर्गः – क् ख् ग् घ् ङ्
- च वर्गः – च् छ् ज् झ् ञ्
- ट वर्ग : – ट् ठ् ड् ढ् ण्
- त वर्गः – त् थ् द् ध् न्
- प वर्गः – प् फ् ब् भ् म्
- अन्तःस्थाः – य् र् ल् व्
- उष्माण – श् ष् स् ह्

## अभ्यासकार्यम्

**प्र–1 रिक्तस्थानों की पूर्ति करो।**

1– तवर्गः त् ,थ् , द् ,ध् ,न्

2– कवर्ग क् ,ख् , ग् , घ् ,ङ्

3– ह्स्वस्वराः अ् ,इ् , उ् , ऋ् , ऌ्

4- दीर्घस्वराः आ,ई ,ऊ , ॠ , ए , ऐ , ओ ,औ

5- अन्तः स्थाः य् , र् ,ल् , व्

6- ऊष्माणः श् ,ष् , स् ,ह्

## बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

2- 'ग'कस्य वर्गस्य वर्णः अस्ति?

(क) क वर्गस्य (ख) ट वर्गस्य (ग) च वर्गस्य (घ) त वर्गस्य

3- व्यञ्जनवर्णाः कति सन्ति?

(क) 13 (ख) 33 (ग) 5 (घ) 8

4- एकस्मिन् वर्गे कति वर्णाः भवन्ति?

(क) 2 (ख) 4 (ग) 3 (घ) 5

5- स्पर्श-व्यञ्जनानां संख्या कति सन्ति?

(क) 8 (ख) 25 (ग) 20 (घ) 13

6- संस्कृत- वर्णे मालायां कति वर्णाः भवन्ति?

(क) 52 (ख) 46 (ग) 40 (घ) 44

7- निम्नलिखिताः वर्णाः केषां वर्गाणां सन्ति?

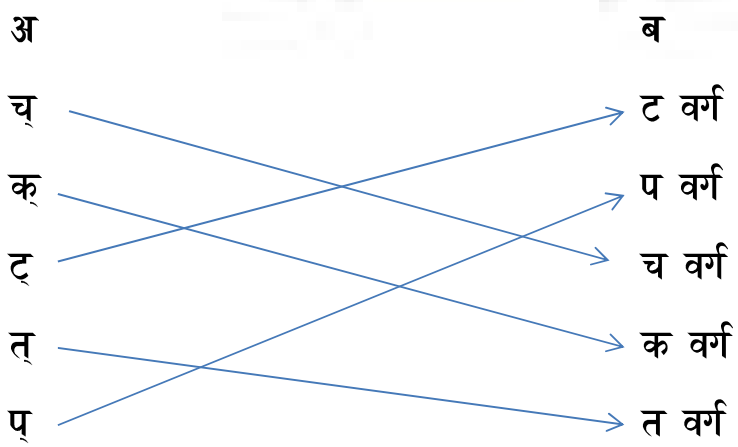

# द्वितीयःपाठः

# संयुक्त-व्यञ्जनानि

## पाठ का परिचय

जब दो व्यञ्जनवर्ण परस्पर जुड़ते हैं तो वे संयुक्त-व्यञ्जन कहलाते है।

- क्ष- क् + ष्
- त्र- त् + र्
- ज्ञ- ज् + ञ्
- श्र- श् + र्
- द्य- द् + य्
- क्र- क् + र्

**अयोगवाह**-अयोगवाह न तो स्वर हैं नही व्यंजन। इन्हें चिह्नो से जाना जाता हें।

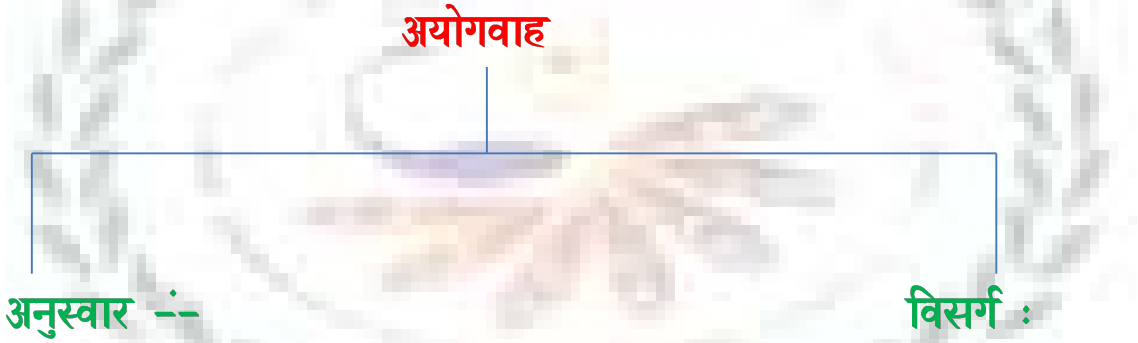


**जैसे-हंस, वंश** **मोहनः, बालकः**

**मात्राका प्रयोग-** व्यञ्जन-वर्ण के साथ जब स्वरवर्ण को जोड़ा जाता है तब 'मात्रा'के रूप में लिखा जाता है। केवल 'अ' की मात्रा नहीं होती।

**हलन्त**-जब व्यञ्जनवर्ण में कोई स्वरवर्ण नहीं होता तो व्यञ्जनवर्ण के नीचे एक तिरछी रेखा लगा दी जाती है।

जैसे- त्, च्, प्, ब्, ल्

**वर्णसंयोग**-वर्णो को मिलाकर शब्द बनाने की प्रक्रिया को वर्णसंयोग कहा जाता है।

1- प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् - पुस्तकम्

2- श् + इ + क् + ष् + इ + क् + आ - शिक्षिका

**वर्णविच्छेद-** 'शब्द' से वर्णो को अलग करने की प्रकिया को वर्णविच्छेद कहतेहैं।

1-आम्रम् - आ+ म् + र् + अ + म्

2- वृक्षः - व् + ऋ + क् + ष् + अः

## अभ्यासकार्यम्

**प्र-1 रिक्तस्थानानि पूरयत-**

**(क)** 1- प् + ए - पे

2- च् + इ - चि

3- न् + उ - नु

4- म् + औ - मौ

5- ग् + ई - गी

6- ज् + ऐ - जै

**(ख)** 1- द् + य् - द्य

2- श् + र् - श्र

3- ज् + ञ् - ज्ञ

4- क् + ष् - क्ष

5- प् + र् - प्र

6- त् + र् - त्र

## बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

**प्र-2 बहुवैकल्पिक प्रश्नाः**

1- मञ्जुषायाः अयोगवाहं चिनुत।

(क)आ (ख) : (ग) क् (घ) ज्

2- मञ्जुषायाः संयुक्त- व्यञ्जनम् चिनुत।

(क)ओ (ख) त्र (ग) ए (घ) म्

3- 'छात्रः' अस्मिन् पदे 'कः'संयुक्त- व्यञ्जनवर्णः ?

(क) छ् (ख)आ (ग) त्र (घ) अः

**प्र-3 वर्णविच्छेदं कुरुत।**

1- कमलम् - क् + अ + म् + अ + ल् + अ + म्

2- नयनम् - न् + अ + य् + अ + न् + अ + म्

3- विद्यालयः - व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अः

4- शुकः - श्+ उ + क् + अः

5- मयूरः - म् + अ + य् + ऊ + र् + अः

6- फलम् - फ् + अ + ल् + अ + म्

**प्र-4 वर्णसंयोगकुरुत।**

1- क् + ऋ + ष् + अ + क् + अः - कृषकः

2- छ् + आ + त् + र + अः - छात्रः

3- अ + श् + व् + अः - अश्वः

4- व् + आ + न् + अ + र् + अः - वानरः

5- श् + अ + श् + अ + क् + अः - शशकः

6- द् + ए + व् + आ + ल् + अ + य् + अः - देवालयः

## प्रवृत्ति

- **संयुक्त-व्यञ्जन वाले शब्दों लिखे। (दश)**

# चतुर श्रृगालः ( पठनाय )

एक जंगल में एक लोमड़ी रहती थी. वो बहुत ही भूखी थी. वह अपनी भूख मिटने के लिए भोजन की खोज में इधर– उधर घूमने लगी. उसने सारा जंगल छान मारा, जब उसे सारे जंगल में भटकने के बाद भी कुछ न मिला, तो वह गर्मी और भूख से परेशान होकर एक पेड़ के नीचे बैठ गई. अचानक उसकी नजर ऊपर गई. पेड़ पर एक कौआ बैठा हुआ था. उसके मुंह में रोटी का एक टुकड़ा था. कौवे के मुंह में रोटी देखकर उस भूखी लोमड़ी के मुंह में पानी भर आया. वह कौवे से रोटी छीनने का उपाय सोचने लगी. उसे अचानक एक उपाय सूझा और तभी उसने कौवे को कहा, "कौआ भैया! तुम बहुत ही सुन्दर हो. मैंने तुम्हारी बहुत प्रशंसा सुनी है, सुना है तुम गीत बहुत अच्छे गाते हो. तुम्हारी सुरीली मधुर आवाज़ के सभी दीवाने हैं. क्या मुझे गीत नहीं सुनाओगे ? कौआ अपनी प्रशंसा को सुनकर बहुत खुश हुआ. वह लोमड़ी की मीठी मीठी बातों में आ गया और बिना सोचे-समझे उसने गाना गाने के लिए मुंह खोल दिया. उसने जैसे ही अपना मुंह खोला, रोटी का टुकड़ा नीचे गिर गया. भूखी लोमड़ी ने झट से वह टुकड़ा उठाया और वहां से भाग गई. यह देख कौआ अपनी मूर्खता पर पछताने लगा. लेकिन अब पछताने से क्या होना था, चतुर लोमड़ी ने मूर्ख कौवे की मूर्खता का लाभ उठाया और अपना फायदा किया.

**सीख**: यह कहानी सन्देश देती है कि अपनी झूठी प्रशंसा से हमें बचना चाहिए. कई बार हमें कई ऐसे लोग मिलते हैं, जो अपना काम निकालने के लिए हमारी झूठी तारीफ़ करते हैं और अपना काम निकालते हैं. काम निकल जाने के बाद फिर हमें पूछते भी नहीं.

# तृतीयःपाठः

## 'अकारान्त 'पुल्लिंग-शब्दाः

### पाठ का परिचय

### लिंग

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग | नपुंसकलिंग |
|---|---|---|
| अध्यापकः | अध्यापिका | पुस्तकम् |

1- पुल्लिंग-जिस शब्द से पुरुष जाति की जानकारी मिलती है।

जैसे- बालकः, वृक्षः, मयूरः

2- स्त्रीलिंग-जिस शब्द से स्त्री जाति की जानकारी मिलती है।

जैसे-बालिका, महिला, मूषिका

3- नपुंसकलिंग-जो शब्द न तो पुरुष जाति का बोध कराते हैं और न ही स्त्री जाति का।

जैसे-फलम्, पुस्तकम्, पत्रम्

- **संस्कृत भाषा में तीन वचन होते हैं-**

**वचन**

**एकवचन** **द्विवचन** **बहुवचन**

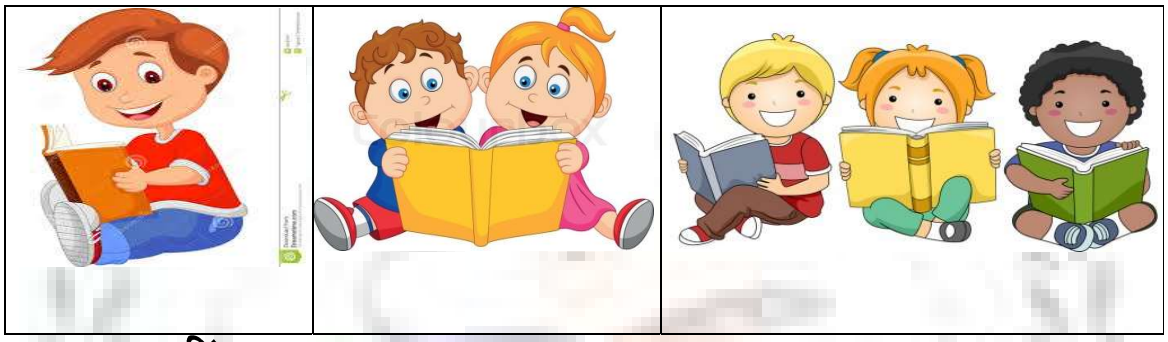



**अकारान्तपुल्लिंगशब्द-**

जिस पुल्लिंग शब्द के अन्त में 'अ' हो उसे अकारान्त पुल्लिंग शब्द कहते हैं। जैसे- बालकः

ब् + आ + ल् + अ + क् + अ - बालक

यहाँ बालक के अन्त में 'अ' है। अतः अकारान्त पुल्लिंग शब्द है।

## शब्दार्थाः

- मयूरः - मोर
- गजः - हाथी
- सिंह - शेर
- वानरः - बन्दर
- कुक्कुरः - कुत्ता
- देवः - देवता
- शशकः - खरगोश
- अश्वः - घोड़ा
- मृगः - हिरण
- सैनिकः - सैनिक

## अभ्यासकार्यम्

**प्र- 1 रिक्तस्थानानि पूरयत।**

1- ( बकः, **बकौ**, बकाः )

2- ( पादपाः, **पादपौ**, पादपः )

3- (मत्स्यौ, **मत्स्याः**, मत्स्यः )

4- ( हस्तः, **हस्तौ**, हस्ताः )

5- ( अश्वः, अश्वौ, **अश्वाः** )

6- ( शुकः, शुकाः, **शुकौ**)

**प्र-2 मञ्जुषायां प्रदत्तान् शब्दान् वचनानुसारेण लिखत।**

मञ्जूषा- ( सिंहौ, कपोताः, घटः, नकुलौ, बालकाः, ईश्वरः, बकाः, शशकः, रामौ, वृक्षाः, सैनिक )

| **एकवचन** | **द्विवचन** | **बहुवचन** |
|---|---|---|
| घटः | सिंहौ | कपोताः |
| ईश्वरः | नकुलौ | बालकाः |
| शशकः | रामौ | वृक्षाः |
| सैनिकः | | बकाः |

## बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

**प्र-3 प्रदतेषु विकल्पेषु शुदधं उत्तरं चिनुत।**

1- एक दीपक

(क)दीपकाः (ख)दीपकौ **(ग) दीपकः**

2- दो पुरुष

**(क) पुरुषौ** (ख)पुरुषः (ग) पुरुषा

3- अनेक घड़े

(क) घटौ (ख) घटः (ग) घटाः

4- एक साँप

(क) सर्पाः (ख) सर्पः (ग) सर्पो

5- अनेकबगुले

(क) बकौ (ख) बकः (ग) बकाः

6- दो किसान

(क) कृषकः (ख) कृषकौ (ग) कृषकाः

7- अनेक कबूतर

(क) कपोतौ (ख) कपोताः (ग) कपोतः

8- दो बकरे

(क)अजः (ख) अजौ (ग) अजाः

## प्रवृत्ति

- **अकारान्त पुल्लिंग शब्दों लिखे। (दश)**

# चतुर्थःपाठः

# 'आकारान्त'स्त्रीलिंग-शब्दाः

## पाठ का परिचय

**'आकारान्त 'स्त्रीलिंग-शब्दाः-**

जिन शब्दों के अन्त में 'आ'होता है। वे शब्द 'आकारान्त 'स्त्रीलिंग-शब्द कहलाते हैं।

**जैसे**-1-बालिका - ब् +आ + ल् + इ + क् + आ

2- रमा- र् + अ + म् + आ

ऊपर लिखे गये दोनों उदाहरणों में शब्द के अन्त में 'आ' है तथा दोनों शब्द स्त्री जाति का बोध कराते हैं। अतः ये दोनों 'आकारान्त 'स्त्रीलिंग-शब्द कहलाते हैं।

## शब्दार्थाः

- महिला - स्त्री
- मक्षिका - मक्खी
- कोकिला - कोयल
- कलिका - कली
- चटका - चिड़िया
- नायिका - अभिनेत्री
- गायति - गातीहै
- कूजति - चहचहातीहै
- माला - माला
- अध्यापिका - शिक्षिका
- अजा - बकरी
- गायिका - गानेवाली
- बालिका - लड़की
- धावति - दौड़तीहै
- विकसति - खिलतीहै
- नृत्यति - नाचतीहै

## अभ्यासकार्यम्

**प्र-1 उचितान् अर्थान् मेलयत-**

| क | ख |
|---|---|
| 1- नायिका | क- दो मक्खियाँ |
| 2- अजे | ख- एक कोयल |
| 3- शाखाः | ग- एक नायिका |
| 4- बालिकाः | घ- दो अध्यापिकाएँ |
| 5- कोकिला | ड़- कई टहनियाँ |
| 6- मक्षिके | च- कई लड़कयाँ |
| 7- शिक्षिके | छ- दो बकरियाँ |

**उत्तर- 1- ग, 2-छ, 3-ड़, 4-च, 5-ख, 6-क, 7-घ**

## बहुवैकल्पिक प्रश्नाः

**प्र-2 प्रदत्तेषु विकल्पेषु उचितान् शब्दान् चित्वा रिक्तस्थानान पूरयत-**

1- ---------- गच्छथः।

(क)नायिका (ख)नायिकाः (ग)नायिके

2- --------- हसन्ति।

(क)बालिकाः (ख) बालिके (ग)बालिका

3- ---------- कूजति।

(क) चटका (ख) चटके (ग) चटकाः

4- ---------- सन्ति।

(क) माला (ख) मालाः (ग) माले

5- --------- विकसतः।

(क)कलिके (ख)कलिका (ग)कलिकाः

6- ---------- तरन्ति।

(क)नौका (ख)नौकाः (ग)नौके

7- ---------- चरति।

(क)अजे (ख)अजाः (ग)अजा

## प्रवृत्ति

- **आकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों लिखे। (दश)**

# पञ्चमः पाठः

# 'अकारान्त 'नपुंसकलिंग-शब्दाः

## पाठ का परिचय

**'अकारान्त 'नपुंसकलिंग-शब्दाः**

जिन शब्दों के अन्त में **'अ'**होता है तथा पुरुष अथवा स्त्री जाति के बारे में नहीं बताते, वे शब्द नपुंसकलिंग कहलाते हैं।

**जैसे-** 1-फल - फ् + अ + ल् + अ

2- पुस्तक - प् + उ + स् + त् + क् + अ

ये दोनों उदाहरणों में शब्द केअन्त में **'अ'**है तथा दोनों शब्द पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध नहीं कराते हैं अतः ये दोनों शब्द स्वतन्त्र होने के कारण नपुंसकलिंग हैं।

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| **फलम्** | **फले** | **फ्लानि** |

## शब्दार्थाः

- अहम् – मैं
- अस्मि – हूँ
- फलम् – फल
- पत्रम् – पत्ता
- पुस्तकम् – किताब
- कमलम् – कमल
- गृहम् – घर
- रूप्यकम् – रुपया
- वस्त्रम् – कपड़ा
- आम्रम् – आम
- पुष्पम् – फूल
- संगणकम् – कम्प्यूटर
- दुरदर्शनम् –टेलीविजन
- उद्यानम् – वाटिका
- विकसति –खिलताहै

## अभ्यासकार्यम्

**प्र-1 निम्नलिखितान् शब्दान् संस्कतेन लिखत-**

1- दोफूल – पुष्पे

2- एक पुस्तक – पुस्तकम्

3- अनेक मित्र – मित्राणि

4- दोआँखें – नेत्रे

5- एक पत्ता – पत्रम्

6- अनेकफल – फलानि

**प्र-2 उचितान् अर्थान् मेलयत-**

| क | ख |
|---|---|
| 1- गृहाणि | क- एक टेलीविजन |
| 2- चित्रे | ख- दो वाटिकाएँ |
| 3- पुस्तके | ग- अनेक घर |
| 4- शस्त्रम् | घ- अनेक मित्र |
| 5- मित्राणि | ड़- दो पुस्तकें |

6- उद्याने च- एक शस्त्र

7- दूरदर्शनम् छ- दो चित्र

**उत्तर- 1- ग, 2-छ, 3-ड़, 4-च, 5-घ, 6-ख, 7-क**

## बहुवैकल्कि प्रश्नाः

**प्र-3 प्रदत्तेषु विकल्पेषु उचितान् शब्दान् चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-**

1- ---------- चलतः। ( चक्रम्, चक्रे)

2- ---------- स्तः। ( नेत्राणि, नेत्रे )

3- ---------- सन्ति। ( फलम्, फलानि )

4- ---------- पतन्ति। ( पत्रे, पत्राणि )

5- ---------- गच्छथः। ( मित्रम्, मित्रे)

6- ---------- सन्ति। ( पुस्तकम्, पुस्तकानि )

7- ---------- अस्ति। ( कृषिक्षेत्रम्, कृषिक्षेत्रे )

8- ---------- सन्ति। ( भूषणानि, भूषणम् )

9- ---------- सन्ति। ( यन्त्रम्, यन्त्राणि )

10- ---------- पतति। ( फलम्, फले )

## प्रवृत्ति

- **अकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों लिखे। (दश)**

# षष्ठःपाठः

# धातु-प्रयोगः

## पाठ का परिचय

धातु अर्थात् क्रिया। संस्कृत में क्रिया के लिए धातु का प्रयोग होता है। वाक्य की रचना के लिए धातुओं की आवश्यकता होती हैं।

जैसे- खानेके लिए 'खाद'

पढ़नेके लिए 'पठ्'

लिखने के लिए 'लिख्'

**विशेष**-संसार के सभी प्राणी तथा वस्तुओं को प्रथम पुरुष माना गया है।

जैसे- रामः, मोहनः, अध्यापकः, सिंह, पुस्तकम्

**प्रथम पुरुष के तीनों वचनों की क्रियाओं का प्रयोग**

| | | |
|---|---|---|
| | 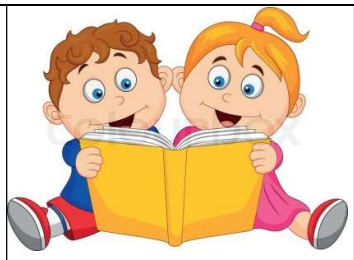 | |
| बालकः पठति। | बालकौ पठतः। | बालकाः पठन्ति। |

## कुछ क्रियाओं के रूप-

| धातु | अर्थ | एकवचन | द्विवचन | ब्हुवचन |
|---|---|---|---|---|
| गम् | जाना | गच्छति | गच्छतः | गच्छन्ति |
| खेल् | खेलना | खेलति | खेलतः | खेलन्ति |
| दृश् | डेखना | पश्यति | पश्यतः | पश्यन्ति |
| दा(यच्छ) | डेना | यच्छति | यच्छतः | यच्छन्ति |
| पा(पिब) | पीना | पिबति | पिबतः | पिबन्ति |
| भ्रम् | घूमना | भ्रमति | भ्रमतः | भ्रमनित |
| अस् | होना | अस्ति | स्तः | सन्ति |

## शब्दार्थाः

- पतति - गिरना
- धावति - दौड़ना
- लिखति - लिखना
- विकसति - खिलना
- पठति - पढ़ना
- नृत्यति- नाचना
- तरति - तैरना

## अभ्यासकार्यम्

**प्र-। रिक्तस्थानानि पूरयत-**

1- पत्रे ---------। ( पततः, पतति )

2-अश्वः ---------। (धावति, धावन्ति )

3- छात्रः ---------। (लिखतः, लिखति)

4- कमलानि ---------। (विकसति, विकसन्ति )

## प्र-2 निम्नलिखित- धातुभिः सह अर्थान् मेलयत

| धातु | अर्थ |
|---|---|
| नृत् | देखना |
| खाद् | बोलना |
| वद् | नमस्कारकरना |
| दृश् | खाना |
| गम् | नाचना |
| नम् | जाना |

## प्र-3 उचिंत कियापद चिनुत-

1- वद्, लट्, प्रथम पु बहुवचन

(क)वदति (ख)<u>वदन्ति</u> (ग)वदतः

2- नम्, लट्, प्रथम पु एकवचन

<u>(क)नमति</u> (ख)नमतः (ग)नमन्ति

3- क्रीड, लट्, प्रथम पु द्विवचन

<u>(क)क्रीडन्ति</u> (ख)क्रीडति (ग)क्रीडत

4- स्था, लट्, प्रथम पु-बहुवचन

<u>(क) तिष्ठन्ति</u> (ख) तिष्ठति (ग) तिष्ठतः

5- धाव्, लट्, प्रथम पु द्विवचन

(क) धावति (ख) धावन्ति (ग)<u>धावतः</u>

## प्रवृत्ति

- धातु शब्दों लिखो। (दश)